विश्वंभरी स्तुति

Vishwambhari Stuti

Hindi

|| विश्वंभरी स्तुति ||

विश्वंभरी अखिल विश्वतणी जनेता,
विद्या धरी वदनमां वसजो विधाता।
दुर्बुद्धिने दुर करी सद्बुद्धि आपो,
माम् पाहि ओम भगवति भवदुःख कापो ॥

भुलो पडी भवरणे भटकु भवानी,
सुझे नही लगिर कोई दिशा जवानी ।
भासे भयंकर वळी मनना उतापो,
माम् पाही ओम भगवति भवदुःख कापो ॥

आ रंकने उगरवा नथी कोई आरो,
जनमान्ध छुं जननी हु ग्रहि बाळ तारो ।
ना शुं सुणो भगवति शिशु ना विलापो,
माम् पाहि ओम भगवति भवदुःख कापो ॥

मा कर्म जन्म कथनी करता विचारुं,
आ सृष्टिमं तुज विना नथी कोई मारुं ।
कोने कहुं कठण योग तणो बळापो,
माम् पहि ओम भगवति भवदुःख कापो ॥

हुं काम क्रोध मद मोह थकी छकेलो,
आडंबरे आती घणो मदथी बकेलो ।
दोषो थकी दुषित ना करी माफ पापो,
मामे पाहि ओम भगवति भवदुःख कापो ॥

ना शस्त्र ना श्रवणनुं पयपान पीधुं,
ना मंत्र के स्तुति कथा नथी कांई कीधुं ।
श्रध्धा धरी नथी कर्या तव नाम जापो,
माम् पाहि ओम भगवती भवदुःख कापो ॥

रे रे भवानी बहु भूल थई ज मारी,
आ जिंदगी थई मने अतिशय अकारी ।
दोषो प्रजाळी सघळा तव छाप छापो,
माम् पाहि ओम् भगवति भवदुःख कापो ॥

खाली न कोई स्थळ जे वीण आप धारो,
ब्रहमांडमां अणु अणु मही वास तारो ।
शक्ति न माप गणवा अगणित मापो,
माम् पाहि ओम भगवति भवदुःख कापो ।

पापे प्रपंच करवा बधी वाते पूरो,
खोटो खरो भगवति पण हुं तमारो ।
जाडयांधकार करी दुर सद्बुद्धि आपो,
माम् पाही ओम भगवति भवदुःख कापो ॥

शीखे सुणे रसिक छंद ज एक चित्ते,
तेना थकी त्रिविध ताप टळे खचीते ।
वाधे विशेष वळी अंबा तणा प्रतापो,
माम् पाहि ओम भगवति भवदुःख कापो ॥

श्री सद्गुरु शरणमां रहीने यजुं छुं,
रात्रि दिने भगवति तुजने भजुं छुं ।

सद्भक्त सेवक तणा परिताप छपो,

माम् पाहि ओम भगवति भवदुःख कापो ॥

अंतर विषे अधिक उर्मि थतां भवानी,

गाउ स्तुति तव बळे नमीने मृडानी ।

संसारना सकळ रोगे समूळ कापो,

हे माता के शव कहे तव भक्ति आपो,

माम् पाहि ओम भगवति भवदुःख कापो ।

READ THIS ONLINE
[Vishwambhari Stuti Hindi](https://hindunidhi.com)

Visit HinduNidhi
https://hindunidhi.com

This document was last updated on:
10 August 2024, 12:29 PM

Noitce & Disclaimer:

This document may contain some errors / mistakes in form of language, grammar, characters, or any other. HinduNidhi.Com does not claim the 100% accuracy of the contents in this PDF, however, always great efforts are made to ensure that the contents in the PDF are correct and accurate.
If you feel there is any issue, you can report this by clicking here.

HinduNidhi.Com